4

TERM-1
SAMPLE PAPER
SOLVED

हिन्दी 'अ'

निर्धारित समय : 90 मिनट *अधिकतम अंक : 40*

सामान्य निर्देश : सैंपल पेपर 1 में दिये गये निर्देशानुसार।

खंड 'क'

अपठित गद्यांश एवं काव्यांश

अंक-10

1. नीचे दो अपठित गद्यांश दिए गए हैं। किसी एक गद्यांश को ध्यानपूर्वक पढ़िए और उस पर आधारित प्रश्नों के सही विकल्प चुनकर लिखिए—(1 × 5 = 5)

यदि आप इस गद्यांश का चयन करते हैं तो कृपया उत्तर-पुस्तिका में लिखें कि आप प्रश्न संख्या 1 में दिए गए गद्यांश-I पर आधारित प्रश्नों के उत्तर लिख रहे हैं।

'तेते पाँव पसारिए जेती लाँबी सौर' वाली कहावत बड़ी सार्थक है। भविष्य को सुखमय बनाने के लिए यह आवश्यक है कि आय का एक अंश नियमित रूप से बचाया जाए जिससे आगे आने वाली आवश्यकताओं की पूर्ति सरलता से हो सके। इस तरह सीमित खर्च करने वाला व्यक्ति मितव्ययी कहलाता है। अनावश्यक व्यय करके जो व्यक्ति धन का दुरुपयोग करता है वह फ़िज़ूलखर्च माना जाता है। वास्तव में मितव्ययिता ही बचत और संचय की कुंजी है। मनुष्य के जीवन में जो आदतें बचपन में पड़ जाती हैं वे किसी-न-किसी रूप में जीवन भर बनी रहती हैं। इसलिए बचपन से ही मितव्ययिता और बचत की आदतों का विकास आवश्यक है। कुछ बालक जेब खर्च के लिए मिले धन से भी बचत करते हैं। पैसा बचाकर अपनी-अपनी गुल्लक जल्दी-जल्दी भरने की उनमें होड़ लगी रहती है। कहा भी गया है कि एक-एक बूँद से सागर भरता है और एक-एक पैसा एकत्र करने से धन संचय होता है। देश के आर्थिक, सामाजिक और औद्योगिक विकास के लिए शासन को धन चाहिए। धन प्राप्त करने के साधनों में जनता पर लगाए गए कर, सरकारी उद्योगों का उत्पादन, निर्यात आदि मुख्य हैं। एक अन्य महत्वपूर्ण साधन बैंकों तथा डाकघरों में संचित वह धनराशि है, जिसे नागरिक राष्ट्रीय बचत योजनाओं के अन्तर्गत जमा करते हैं। राष्ट्रीय विकास के कार्यक्रमों में शासन इस संचित धनराशि का उपयोग सरलता से करता है। शासन की ओर से नगरों और गाँवों में बैंकों और डाकघरों की शाखाएँ खोली गई हैं। इनमें बालक-बालिकाओं और बड़ी उम्र के लोगों को बचत का धन जमा करने की सुविधा दी जाती है। इस दिशा में डाकघरों की सेवाएँ विशेष रूप से उल्लेखनीय हैं।

(क) आय के एक अंश को नियमित रूप से बचाने से क्या लाभ हैं?
- (i) आगे आने वाली आवश्यकताओं की पूर्ति सरलता से हो जाती है।
- (ii) आगे आने वाली आवश्यकताओं से बचा जा सकता है।
- (iii) अपने सुखों की पूर्ति की जा सकती है।
- (iv) इनमें से कोई नहीं।

(ख) बचत और संचय की कुंजी किसे कहा गया है?
- (i) खर्च करने को (ii) अपव्यय करने को
- (iii) मितव्ययिता को (iv) व्यय करने को

(ग) फिज़ूलखर्च किसे माना गया है?
- (i) मितव्ययिता को (ii) अनावश्यक खर्च को
- (iii) बचत को (iv) अधिक खर्च को

(घ) गद्यांश में प्रयुक्त 'फिजूलखर्च' का समास विग्रह होगा—
(i) अनावश्यक खर्च
(ii) आवश्यक खर्च
(iii) फिजूल है जो खर्च
(iv) खर्च है फिजूल

(ङ) गद्यांश का उचित शीर्षक—
(i) बचत का महत्त्व (ii) खर्च का महत्व
(iii) आवश्यक खर्च (iv) अनावश्यक खर्च

अथवा

यदि आप इस गद्यांश का चयन करते हैं तो कृपया उत्तर-पुस्तिका में लिखें कि आप प्रश्न संख्या 1 में दिए गए गद्यांश-II पर आधारित प्रश्नों के उत्तर लिख रहे हैं।

पुरुष और स्त्री एक-दूसरे के पूरक हैं। नर के बिना नारी का जीवन अधूरा है तथा नारी के बिना नर के अस्तित्व की कल्पना नहीं की जा सकती। इसमें संदेह नहीं है कि सृष्टि के अस्तित्व के लिए दोनों का ही होना अनिवार्य है। प्राचीन भारत के इतिहास में नारियों की गौरवमयी गाथाएँ भरी पड़ी हैं। हमारे प्राचीन ग्रंथों का कथन है 'यत्र नार्यस्तु पूज्यंते रमंते तत्र देवता।' यहाँ पूजा से तात्पर्य नारी की मान-मर्यादा और अधिकारों की रक्षा करने से है। प्राचीन काल में नारी को लक्ष्मी और गृह-देवी के नाम से संबोधित किया जाता था। पुरुष के समान ही उन्हें भी शिक्षा मिलती थी। जीवन के बड़े-से-बड़े धार्मिक अनुष्ठान उनके बिना पूरे नहीं होते थे। देवासुर संग्राम में कैकेयी के अद्वितीय कौशल को देखकर दशरथ भी चकित रह गए थे। मैत्रेयी, शकुंतला, अनुसूया, दमयंती, सावित्री आदि स्त्रियाँ भी अपने आप में स्वयंसिद्ध उदाहरण हैं। समय परिवर्तनशील है। आज के समय में भारतीय समाज लड़की की अपेक्षा लड़के को अधिक महत्त्व देता है। ईश्वर ने पुरुष को नारी की अपेक्षा अधिक शक्ति प्रदान की है। वह स्वयं को नारी का संरक्षक मानता है। पुरुष प्राय: धन का अर्जन करता है तथा नारी घर का दायित्व सँभालती है। वर्तमान युग में भी पुरुष को नारी की अपेक्षा अधिक स्वतंत्रता प्राप्त है। भारत में ही नहीं अपितु विश्व के विकसित देशों में भी नारी की स्थिति दयनीय है। उन्हें उचित सम्मान नहीं मिलता। जो देश जितना अधिक विकसित है वहाँ नारी की स्थिति उतनी ही दयनीय है। इसके पीछे कारण यह है कि उन देशों में नारी धन कमाने के लिए घर से बाहर निकलती है। बाहर निकलने का परिणाम यह होता है कि उसको पुरुषों के अहम् से पग-पग पर जूझना पड़ता है।

हमारा समाज पुरुष प्रधान है। यहाँ जो भी नियम बनाए जाते हैं वे पुरुषों के द्वारा बनाए जाते हैं। अत: यह कैसे संभव होगा कि वे अपने विरुद्ध नियम बनाएँ। नारी उत्थान और पतन के पीछे भी पुरुष का ही हाथ होता है। नारी से संबंधित जो भी प्रश्न उठाए जाते हैं वे प्राय: पुरुष वर्ग से ही उठते हैं। अत: नारी की हमारे समाज में क्या स्थिति है यह स्वयं ही परिभाषित है। भारत के गाँवों में आज भी स्त्रियों को पिता, पति अथवा पुत्र के अधीन रहना पड़ता है। ग्रामीण स्त्रियाँ प्राय: तंगी का शिकार होती हैं। उनके स्वास्थ्य और शिक्षा के विषयों पर भी अधिक ध्यान नहीं दिया जाता।

(क) सृष्टि के अस्तित्व के लिए क्या आवश्यक है?
(i) वनस्पति (ii) पेड़-पौधे
(iii) पुरुष और स्त्री (iv) प्रकृति

(ख) नारी की पूजा का क्या अर्थ है?
(i) नारी को पूजना
(ii) नारी के अधिकारों की रक्षा करना
(iii) नारी को भगवान मानना
(iv) ईश्वर को पूजना

(ग) हमारा समाज पुरुष प्रधान क्यों है?
(i) क्योंकि यहाँ सभी नियम पुरुषों द्वारा बनाए जाते हैं।
(ii) क्योंकि यहाँ पुरुष ही पुरुष निवास करते हैं।
(iii) क्योंकि यहाँ स्त्रियों को कोई अधिकार प्राप्त नहीं हैं।
(iv) क्योंकि स्त्री को नियम बनाने नहीं आते।

(घ) देवासुर संग्राम में दशरथ किसके साहस के सामने चकित रह गए थे?
(i) कैकेयी के (ii) शकुंतला के
(iii) अनुसूया के (iv) दमयंती के

(ङ) गद्यांश में प्रयुक्त शब्द 'प्राचीन' शद का विलोम होगा—
(i) पुराना (ii) नवीन
(iii) नया (iv) नव

2. नीचे दो काव्यांश दिए गए हैं। किसी एक काव्यांश को ध्यानपूर्वक पढ़िए और उस पर आधारित प्रश्नों के उत्तर सही विकल्प चुनकर लिखिए— (1 × 5 = 5)

यदि आप इस पद्यांश का चयन करते हैं तो कृपया उत्तर-पुस्तिका में लिखें कि आप प्रश्न संख्या 2 में दिए गए पद्यांश-I पर आधारित प्रश्नों के उत्तर लिख रहे हैं।

किस भाँति जीना चाहिए किस भाँति मरना चाहिए,
सो सब हमें निज पूर्वजों से याद करना चाहिए।
पूर्व-चिह्न उनके यत्नपूर्वक खोज लेना चाहिए,
निज पूर्व-गौरव-दीप को बुझने न देना चाहिए,
आओ मिलें सब देश-बांधव हार बनकर देश के,
साधक बनें सब प्रेम से सुख-शांतिमय उद्देश्य के।
क्या सांप्रदायिक भेद से है, ऐक्य मिट सकता अहो,
बनती नहीं क्या एक माला विविध सुमनों की कहो।।
प्राचीन हों कि नवीन, छोड़ो रूढ़ियाँ जो हों बुरी,
बनकर विवेकी तुम दिखाओ हंस जैसी चातुरी,

प्राचीन बातें ही भली हैं, यह विचार अलीक है
जैसी अवस्था हो जहाँ, वैसी व्यवस्था ठीक है,
मुख से न होकर चित्त से देशानुरागी हो सदा।
देकर उन्हें साहाय्य भरसक सब विपत्ति व्यथा हरो,
निज दु:ख से ही दूसरों के दु:ख का अनुभव करो।।

(क) पद्यांश में कौन-से गौरव दीपक को नहीं बुझने देने की बात हो रही है?
(i) निज पूर्वजों के (ii) स्वजनों के
(iii) दुखीजनों के (iv) रोशनी को

(ख) पद्यांश में कवि ने क्या त्यागने की बात कही है?
(i) पुरानी बातों को (ii) अच्छाइयों को
(iii) बुराइयों को (iv) गुणों को

(ग) 'हृदय में स्वदेश के प्रति अनुराग होना' ये अर्थ काव्यांश की किस पंक्ति से प्रकट हो रहा है?
(i) आओ मिलें सब देश-बांधव
(ii) साधक बने सब प्रेम से
(iii) बनती नहीं क्या एक माला
(iv) चित्त से देशानुरागी हो सदा

(घ) विभिन्न सम्प्रदायों को काव्यांश में किसे समान बताया गया है?
(i) विभिन्न पुष्पों के
(ii) विभिन्न धर्मों के
(iii) विभिन्न जातियों के
(iv) विभिन्न मतों के

(ङ) पद्यांश में किसके समान चतुराई दिखाने को कहा गया है?
(i) कोयल के (ii) हंस के
(iii) पूर्वजों के (iv) कवि के

अथवा

यदि आप इस पद्यांश का चयन करते हैं तो कृपया उत्तर-पुस्तिका में लिखें कि आप प्रश्न संख्या 2 में दिए गए पद्यांश-II पर आधारित प्रश्नों के उत्तर लिख रहे हैं।

नीड़ का निर्माण फिर-फिर,
नेह का आह्वान फिर-फिर!
वह उठी आंधी कि नभ में
छा गया सहसा अँधेरा,
धूलि धूसर बादलों ने
भूमि को इस भांति घेरा,
रात-सा दिन हो गया, फिर
रात आई और काली,
लग रहा था अब न होगा
इस निशा का फिर सवेरा
रात के उत्पात भय से
भीत जन-जन, भीत कण-कण
किन्तु प्राची से उषा की
मोहिनी मुस्कान फिर-फिर,
नेह का आह्वान फिर-फिर!

(क) 'छा गया सहसा अँधेरा' पंक्ति का भाव है—
(i) सहसा बादलों का छा जाना
(ii) सहसा धुल भरी आंधी चलना
(iii) सहसा जीवन में कष्टों का आगमन
(iv) सहसा बिजली का चले जाना

(ख) रात में आने पर कवि को किस बात का डर लगा—
(i) रास्ता भटकने का डर
(ii) मुसीबतें समाप्त न होने का डर
(iii) रात में अकेले होने का डर
(iv) रात न समाप्त होने का डर

(ग) उषा की मोहिनी मुस्कान क्या संदेश देती है?
(i) सवेरा होने पर अँधेरा दूर होने का
(ii) सवेरे सबका मन मोह लेने का
(iii) सवेरे सभी का काम में लग जाना
(iv) दु:ख के बाद सुख के आगमन का

(घ) कवि नीड़ का पुनर्निर्माण क्यों करना चाहता है?
(i) क्योंकि वह घोंसला बनाना जानता है
(ii) क्योंकि वह पक्षियों को आश्रय देना चाहता है
(iii) क्योंकि वह आशावादी है
(iv) क्योंकि वह दुखी रहता है

(ङ) पद्यांश में निहित संदेश है—
(i) कष्टों से नहीं घबराना
(ii) सदैव आशावादी रहने की
(iii) मुसीबतों से दूर जाने की
(iv) निराश होने की

खंड 'ख'

व्यावहारिक व्याकरण

अंक-16

3. निम्नलिखित में से किन्हीं चार प्रश्नों के लिए उचित विकल्प चुनिए। (1 × 4 = 4)

(क) "यद्यपि वह बीमार था तथापि मेहनत करता रहा"—वाक्य का सरल वाक्य में रूप होगा
(i) बीमार होने पर भी वह मेहनत करता रहा।
(ii) वह बीमार था लेकिन फिर भी मेहनत करता रहा।
(iii) वह बीमार था इसलिए मेहनत करता रहा।
(iv) मेहनत करने के कारण वह बीमार हो गया।

(ख) हमारे घर पहुँचकर फुटबॉल खेलने लगा। रचना के आधार पर वाक्य भेद बताइए।
(i) सरल वाक्य (ii) संयुक्त वाक्य
(iii) मिश्र वाक्य (iv) प्रधान उपवाक्य

(ग) जो लोग ईमानदार होते हैं, उनका सर्वत्र आदर होता है। रचना के आधार पर वाक्य भेद बताइए।

(i) सरल वाक्य (ii) संयुक्त वाक्य
(iii) मिश्र वाक्य (iv) आश्रित उपवाक्य

(घ) उसे घर जाना था इसलिए वह चला गया रचना के आधार पर वाक्य भेद बताइए—

(i) सरल वाक्य (ii) संयुक्त वाक्य
(iii) मिश्र वाक्य (iv) संज्ञा उपवाक्य

(ङ) श्यामा ने कहा था कि वह आज जल्दी जाएगी। (रेखांकित उपवाक्य का भेद लिखिए)

(i) संज्ञा उपवाक्य
(ii) क्रियाविशेषण उपवाक्य
(iii) विशेषण उपवाक्य
(iv) आश्रित उपवाक्य

4. निम्नलिखित में से किन्हीं चार प्रश्नों के लिए उचित विकल्प चुनिए। (1 × 4 = 4)

(क) सरला बहुत मधुर गीत गाती है। वाक्य का कर्मवाच्य में रूप होगा—

(i) सरला के द्वारा मधुर गीत गाया जाता है।
(ii) सरला ने मधुर गीत गाया।
(iii) मधुर गीत गाया जाता है सरला के द्वारा।
(iv) गीत गाया मधुर सरला ने

(ख) मीरा द्वारा आज बहुत लम्बी कविता सुनाई गई। वाक्य का कर्तृवाच्य में रूप होगा—

(i) मीरा ने आज बहुत लम्बी कविता सुनाई।
(ii) मीरा से बहुत लम्बी कविता सुनाई गई।
(iii) लम्बी कविता मीरा के द्वारा सुनाई गई।
(iv) लम्बी कविता मीरा ने सुनाई।

(ग) सीमा समझाने पर भी नहीं समझती। वाक्य का भाववाच्य में रूप होगा—

(i) सीमा से समझाने पर भी नहीं समझा गया।
(ii) समझाने पर भी सीमा से नहीं समझा गया।
(iii) नहीं समझा जाता सीमा से।
(iv) नहीं समझती सीमा

(घ) मैं कल आपके लिए उपहार लाऊँगा। वाक्य का कर्मवाच्य रूप होगा—

(i) कल उपहार लाया जाएगा मेरे द्वारा।
(ii) मैं उपहार लाऊँगा कल आपके लिए।
(iii) मेरे द्वारा कल आपके लिए उपहार लाया जाएगा।
(iv) उपहार लाया कल मैं

(ङ) _____ में कर्ता की प्रधानता होती है

वाक्य में रिक्त स्थान के लिए उचित विकल्प होगा—

(i) भाववाच्य (ii) कर्मवाच्य
(iii) कर्तृवाच्य (iv) वाच्य

5. निम्नलिखित में से किन्हीं चार प्रश्नों के लिए उचित विकल्प चुनिए। (1 × 4 = 4)

(क) हम राहुल के घर गए परन्तु वह वहाँ नहीं मिला। वाक्य में रेखांकित वाक्य के लिए उचित पद परिचय होगा—

(i) समुच्चयबोधक अव्यय।
(ii) क्रियाविशेषण।
(iii) संबंधबोधक अव्यय।
(iv) विस्मयादिबोधक अव्यय।

(ख) जो अपना सामान नहीं सँभालता, वह पछताता है। वाक्य में रेखांकित वाक्य के लिए उचित पद परिचय होगा—

(i) निश्चयवाचक सर्वनाम, पुल्लिग, एकवचन।
(ii) अनिश्चयवाचक सर्वनाम, पुल्लिग, एकवचन।
(iii) निश्चयवाचक सर्वनाम, पुल्लिग, बहुवचन।
(iv) निश्चयवाचक सर्वनाम, स्त्रीलिंग, एकवचन।

(ग) मैं वहाँ आठवीं मंजिल पर रहता हूँ। वाक्य में रेखांकित वाक्य के लिए उचित पद परिचय होगा—

(i) परिमाणवाचक विशेषण, स्त्रीलिंग, एकवचन, विशेष्य 'कक्षा'।
(ii) गुणवाचक विशेषण, स्त्रीलिंग, एकवचन, विशेष्य 'कक्षा'।
(iii) संख्यावाचक विशेषण, स्त्रीलिंग, एकवचन, विशेष्य 'कक्षा'।
(iv) निजवाचक विशेषण, स्त्रीलिंग, एकवचन, विशेष्य 'कक्षा'।

(घ) वह प्रातः तेज चाल से चलता हुआ विद्यालय जाता है। वाक्य में रेखांकित वाक्य के लिए उचित पद परिचय होगा—

(i) परिमाणवाचक क्रियाविशेषण।
(ii) स्थानवाचक क्रियाविशेषण।
(iii) गुणवाचक क्रियाविशेषण।
(iv) रीतिवाचक क्रियाविशेषण।

(ङ) हम उस कस्बे से गुज़रे थे। वाक्य में रेखांकित वाक्य के लिए उचित पद परिचय होगा—

(i) सर्वनाम, उत्तमपुरुष, बहुवचन, पुल्लिग।
(ii) सर्वनाम, मध्यमपुरुष, बहुवचन, पुल्लिग।
(iii) सर्वनाम, अन्यपुरुष, बहुवचन, पुल्लिग।
(iv) सर्वनाम , प्रश्नवाचक , बहुवचन, पुल्लिग।

6. निम्नलिखित में से किन्हीं चार प्रश्नों के लिए उचित विकल्प चुनिए। (1 × 4 = 4)

(क) 'शान्त' रस का स्थायी भाव क्या है?

(i) करुणा (ii) शोक
(iii) वात्सल्य (iv) निर्वेद

(ख) क्रमशः कंठ क्षीण हो आया, शिथिल हुए अवयव सारे।

बैठा था नव-नव उपाय की चिंता में मैं मन मारे॥

पंक्तियों में प्रयुक्त रस बताइए

(i) करुण रस (ii) शृंगार रस
(iii) अद्‌भुत रस (iv) हास्य रस

(ग) जसोदा हरि पालने झुलावै।
हलरावै, दुलरावै, मल्हावै, जोई-सोई कछु गावै॥

पंक्तियों में प्रयुक्त रस बताइए

(i) करुण रस (ii) वात्सल्य रस
(iii) अद्‌भुत रस (iv) हास्य रस

(घ) इनमें से संयोग शृंगार रस का उदाहरण होगा—
(i) बतरस लालच लाल की मुरली धरी लुकाय।
सौंह करै भौंहनु हंसे देन कहै नटि जाय॥
(ii) प्रिय मृत्यु का अप्रिय महा संवाद पाकर
विष-भरा।
चित्रस्थ-सी, निर्जीव सी, हो रह गयी हत उत्तरा॥
(iii) श्री कृष्ण के सुन वचन अर्जुन क्रोध से जलने लगे।
सब शोक अपना भूलकर करतल-युगल मलने लगे॥
(iv) उधर गरजती सिंधु लहरियाँ, कुटिल काल के जालों सी।
चली आ रही फैन उगलती, फन फैलाये व्यालों सी॥

(ङ) 'विस्मय' किस रस का स्थायी भाव है?
(i) शृंगार रस (ii) करुण रस
(iii) अद्‌भुत रस (iv) हास्य रस

खंड 'ग'

पाठ्य-पुस्तक

अंक-14

7. निम्नलिखित गद्यांश को पढ़कर पूछे गए प्रश्नों के लिए उचित विकल्प चुनिए। (1 × 5 = 5)

गर्मियों में उनकी 'संझा' कितनी उमस भरी शाम को शीतल करती अपने घर के आँगन में आसन जमा बैठते। गाँव के उनके कुछ प्रेमी भी जुट जाते। खंजड़ियों और करतालों की भरमार हो जाती। एक पद बालगोबिन भगत कह जाते, उनकी प्रेमी मंडली उसे दुहराती तिहराती। धीरे-धीरे स्वर ऊँचा होने लगता एक निश्चित ताल, एक निश्चित गति से। उस ताल स्वर के चढ़ाव के साथ श्रोताओं के मन भी ऊपर उठने लगते। धीरे-धीरे मन तन पर हावी हो जाता। होते-होते, एक क्षण ऐसा आता कि बीच में खंजड़ी लिए बालगोबिन भगत नाच रहे हैं और उनके साथ ही सबके तन और मन नृत्यशील हो उठे हैं। सारा आँगन नृत्य और संगीत से ओत-प्रोत है।

(क) भगत के गायन का श्रोताओं पर क्या प्रभाव पड़ता था?
(i) श्रोताओं के मन झूमने लगते।
(ii) लोग आँगन में जमा हो जाते।
(iii) लोग गाने लगते।
(iv) वे सो जाते थे।

(ख) भगत और गाँववालों के द्वारा कौन-कौन से वाद्ययंत्र बजाए जाते थे?
(i) खंजड़ी और वीणा
(ii) करताल और ढोलक
(iii) खंजड़ी और करताल
(iv) ढोलक और खंजड़ी

(ग) सारा आँगन नृत्य और संगीत से कब ओत-प्रोत हो जाता
(i) जब गर्मी होती थी
(ii) जब भगत नाचने लगते
(iii) जब श्रोता गीत गाते
(iv) जब वर्षा होती थी

(घ) गर्मियों में कौन उमस भरी हुई संझा को शीतल करता?
(i) भगत के गीत (ii) मौसम
(iii) गाँव वाले (iv) लेखक

(ङ) गद्यांश किस पाठ में से उद्धृत है?
(i) नेताजी का चश्मा
(ii) लखनवी अंदाज़
(iii) मानवीय करुणा की दिव्य चमक
(iv) बालगोबिन भगत

8. निम्नलिखित प्रश्नों के लिए उचित विकल्प चुनिए। (1 × 2 = 2)

(क) हालदार साहब के अनुसार देशभक्ति आजकल क्या होती जा रही है 'नेताजी का चश्मा' पाठ के आधार पर बताइए।
(i) प्रेम की भावना (ii) लगाव की भावना
(iii) मजाक की भावना (iv) त्याग की भावना

(ख) बालगोबिन भगत किसके पद गाते थे?
(i) कबीर के (ii) सूरदास के
(iii) ईश्वर के (iv) कृष्ण के

9. निम्नलिखित पद्यांश को पढ़कर पूछे गए प्रश्नों के लिए उचित विकल्प चुनिए। (1 × 5 = 5)

मन की मन ही माँझ रही।
कहिए जाइ कौन पै ऊधौ, नाहीं परत कही।
अवधि अधार आस आवन की, तन मन बिथा सही।
अब इन जोग सँदेसनि सुनि-सुनि, बिरहिनि बिरह दही।

चाहति हुतौ गुहारि जितहिं तैं, उत तैं धार बही।
'सूरदास' अब धीर धरहिं क्यौं, मरजादा न लही।।

(क) किसके मन की बात मन में ही रह गई?
(i) उद्धव के (ii) गोपियों के
(iii) सूरदास के (iv) श्रीकृष्ण के

(ख) गोपियाँ कौन-सी व्यथा सहन कर रही थीं?
(i) कृष्ण वियोग की (ii) उद्धव के आने की
(iii) प्रेम में डूबने की (iv) योग की

(ग) किसे सुनकर गोपियों की विरहाग्नि बढ़ गई?
(i) भ्रमर के गुंजन को सुनकर
(ii) सूरदास के गीतों को सुनकर
(iii) कृष्ण के योग संदेश को सुनकर
(iv) स्वयं की आवाज सुनकर

(घ) गोपियाँ किस आशा में तन-मन की व्यथा को सहन कर रही थीं?
(i) उद्धव के संदेश को सुनने की
(ii) कृष्ण के आगमन की
(iii) सूरदास के आने की
(iv) उद्धव के आने की

(ङ) काव्यांश में गोपियाँ कृष्ण को क्या उलाहना दे रही हैं?
(i) योग संदेश भेजने का
(ii) स्वयं न आने का
(iii) प्रेम की मर्यादा का पालन न करने का
(iv) अपने प्रेम का

10. निम्नलिखित प्रश्नों के लिए उचित विकल्प चुनिए। **(1 × 2 = 2)**

(क) परशुराम के क्रोधित होने का क्या कारण था?
(i) राम का जनक सभा में आना
(ii) शिवधनुष का टूटना
(iii) लक्ष्मण का परशुराम से बात करना
(iv) राम का चुप रहना

(ख) 'धनुष तोड़ने वाला आपका ही कोई दास होगा' राम के द्वारा कहे गए इस कथन से उनकी किस विशेषता का पता चलता है ?
(i) उनके स्वभाव की विनम्रता का
(ii) उनके स्वभाव की सरलता का
(iii) उनके स्वभाव की कठोरता का
(iv) उनके मिलनसार स्वभाव का

SOLUTION
SAMPLE PAPER - 4

खंड 'क'
अपठित गद्यांश एवं वाक्यांश

1. (क) *(i) आगे आने वाली आवश्यकताओं की पूर्ति सरलता से हो जाती है।*
(ख) *(iii) मितव्ययिता को।*
(ग) *(ii) अनावश्यक खर्च को।*
(घ) *(iii) फिजूल है जो खर्च।*
(ङ) *(iii) आवश्यक खर्च।*

अथवा

(क) *(iii) पुरुष और स्त्री।*

व्याख्यात्मक हल—सृष्टि का अस्तित्व पुरुष और स्त्री पर ही निर्भर करता है क्योंकि इनसे ही संतान जन्म लेकर सृष्टि को आगे बढ़ाती है।

(ख) *(ii) नारी के अधिकारों की रक्षा करना।*
(ग) *(i) क्योंकि यहाँ सभी नियम पुरुषों द्वारा बनाए जाते हैं।*
(घ) *(i) कैकेयी के।*
(ङ) *(ii) नवीन।*

2. (क) *(i) निज पूर्वजों के।*
(ख) *(iii) बुराइयों को।*
(ग) *(iv) चित्त से देशानुरागी हो सदा।*
(घ) *(i) विभिन्न पुष्पों के।*
(ङ) *(ii) हंस के।*

अथवा

(क) *(iii) सहसा जीवन में कष्टों का आगमन।*
(ख) *(ii) मुसीबतें समाप्त न होने का डर।*
(ग) *(iv) दु:ख के बाद सुख का आगमन होता है।*
(घ) *(iii) क्योंकि वह आशावादी है।*
(ङ) *(ii) सदैव आशावादी रहने की*

खंड 'ख'

व्यावहारिक व्याकरण

3. (क) *(i) बीमार होने पर भी वह मेहनत करता रहा।*

व्याख्यात्मक हल—सरल वाक्य में एक उद्देश्य और एक क्रिया होते हैं। अत: यही सही उत्तर है।

(ख) *(i) सरल वाक्य।*

व्याख्यात्मक हल—सरल वाक्य में एक उद्देश्य और एक क्रिया होते हैं। अत: यही सही उत्तर है।

(ग) *(iii) मिश्र वाक्य।*

व्याख्यात्मक हल—मिश्र वाक्य में एक वाक्य प्रधान और दूसरा आश्रित उपवाक्य होता है। इस वाक्य में 'जो लोग ईमानदार होते हैं' उपवाक्य है।

(घ) *(ii) संयुक्त वाक्य।*

व्याख्यात्मक हल—संयुक्त वाक्य में दो सरल वाक्य होते हैं जो अपनेआप में पूर्ण अर्थ को व्यक्त करते हैं। यहाँ पहला वाक्य 'उसे घर जाना था' और दूसरा वाक्य 'वह चला गया' स्वतंत्र वाक्य हैं जो आपस में 'इसलिए' योजक द्वारा जुड़े हुए हैं।

(ङ) *(i) संज्ञा उपवाक्य।*

व्याख्यात्मक हल—संज्ञा उपवाक्य की प्रमुख पहचान है कि ये वाक्य 'कि' योजक से आरंभ होते हैं। अत: इसका उत्तर यही होगा।

4. (क) *(i) सरला के द्वारा मधुर गीत गाया जाता है।*

व्याख्यात्मक हल—कर्मवाच्य में परिवर्तन करते समय कर्ता के साथ 'से' या 'द्वारा' लगाया जाता है और क्रिया को कर्म के अनुसार परिवर्तित किया जाता है।

(ख) *(i) मीरा ने आज बहुत लम्बी कविता सुनाई।*

व्याख्यात्मक हल—कृतवाच्य में वाक्य की क्रिया कर्ता के अनुसार परिवर्तित होती है और यहाँ कर्ता के साथ लगे हुए 'द्वारा' को हटा दिया जाता है।

(ग) *(ii) समझाने पर भी सीमा से नहीं समझा गया।*

व्याख्यात्मक हल—भाववाच्य में परिवर्तित करते समय क्रिया को एकवचन, पुल्लिग में परिवर्तित कर दिया जाता है और भाव की प्रधानता रखी जाती है।

(घ) *(iii) मेरे द्वारा कल आपके लिए उपहार लाया जाएगा।*

(ङ) *(iii) कर्तृवाच्य।*

5. (क) *(i) समुच्चयबोधक अव्यय।*

(ख) *(ii) अनिश्चयवाचक सर्वनाम, पुल्लिग, एकवचन।*

(ग) *(iii) संख्यावाचक विशेषण, स्त्रीलिंग, एकवचन, विशेष्य 'मंजिल'।*

(घ) *(iv) रीतिवाचक क्रियाविशेषण।*

(ङ) *(i) सर्वनाम , उत्तमपुरुष, बहुवचन, पुल्लिग।*

6. (क) *(iv) निर्वेद।*

(ख) *(i) करुण रस।*

(ग) *(ii) वात्सल्य रस।*

(घ) *(i) बतरस लालच लाल की मुरली धरी लुकाय।*
सौंह करै भौंहनु हँसे देन कहै नटि जाय॥

(ङ) *(iii) अद्‌भुत रस।*

खंड 'ग'

पाठ्य-पुस्तक

7. (क) *(i) श्रोताओं के मन झूमने लगते।*

(ख) *(iii) खंजड़ी और करताल।*

(ग) *(ii) जब भगत नाचने लगते।*

(घ) *(i) भगत के गीत।*

(ङ) *(iv) बालगोबिन भगत।*

8. (क) *(iii) मज़ाक की भावना।*

(ख) *(i) कबीर के*

व्याख्यात्मक हल—बालगोबिन भगत कबीर को 'साहब' मानते थे। वे उनके पदों को गाया करते थे।

9. (क) *(ii) गोपियों के।*

व्याख्यात्मक हल—कृष्ण के वापस न आने पर गोपियाँ उनसे रुष्ट हो गईं और अपने मन की बात लज्जावश वे उद्धव से नहीं कह पाईं।

(ख) *(i) कृष्ण वियोग की।*

(ग) *(iii) कृष्ण के योग संदेश को सुनकर।*

(घ) *(ii) कृष्ण के आगमन की।*

(ङ) *(iii) प्रेम की मर्यादा का पालन न करने का।*

10. (क) *(ii) शिवधनुष का टूटना।*

(ख) *(i) उनके स्वभाव की विनम्रता का।*